Result Mitra Daily Current Affairs

Topic-1

भारत और मालदीव संबंध

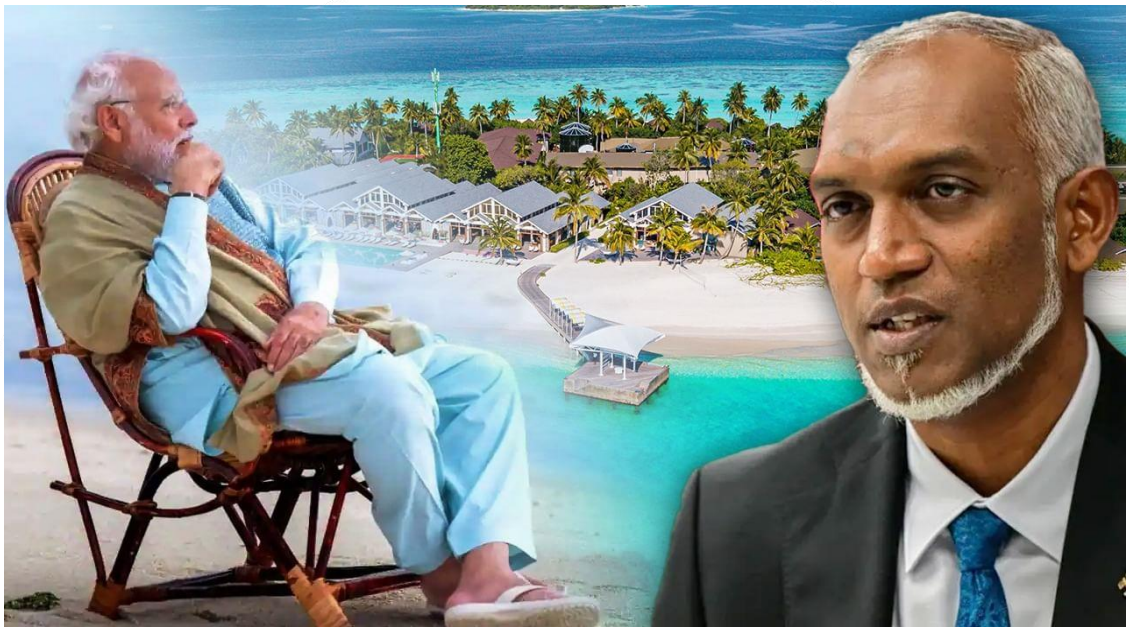

- चर्चा में क्यों :· हाल ही में मालदीव्स के द्वारा घोषणा की गई है कि आने वाले समय में उसके मंत्री भारत में कई शहरों में रोड शो करेंगे
- रोड शो का उद्देश्य :– इन रोड शो को किए जाने का मुख्य उद्देश्य अपने देश में पर्यटन में वृद्धि करना तथा भारत और मालदीव्स संबंधों को फिर से पहले की तरह स्थापित करना है
- पिछले कुछ दिनों से भारत और मालदीव्स के रिश्तों में तनाव आया है इस तनाव की मुख्य वजह निम्नलिखित है
- 1.भारत के प्रधानमंत्री में अपने क्षेत्र लक्षद्वीप का दौरा किया था जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन में वृद्धि करना था।
- किंतु मालदीव्स के कुछ मंत्रियों ने भारतीय प्रधानमंत्री के ऊपर टिप्पणी करना प्रारंभ कर दी और अबमर्यादित भाषा का प्रयोग किया।
- 2. जबसे मालदीव्स के नए राष्ट्रपति मुइज्जू चुनकर आए हैं तब से उन्होंने भारत के प्रति इंडिया को बैक नामक कैंपिंग चला कर रखा है
- 3. भारत के कुछ सैनिक इस क्षेत्र में शांति संतुलन बनाने के लिए तथा चीन की आक्रामक नीति पर नजर रखने के लिए मालदीव्स में रहते थे किंतु नई सरकार के गठन के बाद भारत के ऊपर दबाव बनाया गया कि वह इन्हें वापस बुलाए।

Result Mitra

- इस कारण मालदीव्स तथा मालदीव्स के राष्ट्रपति का भारत में तीव्र विरोध हुआ और भारतीयों ने यहां पर टूरिस्ट के रूप में जाने का बहिष्कार किया।

भारत के बहिष्कार का परिणम :–

- बॉयकॉट मालदीव्स के बाद मालदीव जाने वाले भारतीयों की संख्या में गिरावट आई है ।
- मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों में पिछले साल के मुकाबले 42 फीसदी की गिरावट आई है।
- 2023 के शुरुआती 4 महीने में सबसे ज्यादा भारतीय पर्यटक मालदीव्स गए थे। जबकि चीन से गए पर्यटकों की संख्या तीसरे नंबर रही।

- मालदीव टूरिज्म डिपार्टमेंट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2023 में जनवरी से अप्रैल के बीच 73,785 भारतीय मालदीव पहुंचे जबकि साल 2024 में इसी अवधि में मात्र 42,638 लोग पहुंचे।
- पिछले साल के मुकाबले इस साल सिर्फ 4 महीने में ही 31,147 पर्यटकों की संख्या में कमी आई है।
- मालदीव के स्वतंत्रता दिवस (26 जुलाई) के दिन देश को संबोधित करते हुए मालदीव्स के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और चीन दोनों ने मालदीव को कर्ज चुकाने में काफी सहयोग प्रदान किया है।
- मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत से उम्मीद जताई है कि भारत जल्दी ही मालदीव के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा।
- मालदीव में हाल ही में अमेरिकी डॉलर की कमी हो रही है इसको लेकर भी मुइज्जू ने कहा कि उनकी सरकार भारत और चीन के साथ करेंसी स्वैप एग्रीमेंट पर समझौते का प्रयास कर रही है।

भारत के द्वारा मालदीव को दी गई सहायता :–

- 'नेबर्स फर्स्ट पॉलिसी' के तहत भारत ने मालदीव को 400 करोड़ रुपये की सहायता दी है।
- साथ ही जो कर्जा भारत ने मालदीव को दिया है उस के व्याज भुगतान को भी आसान बनाने की बात की जा रही है।
- मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल अगले कुछ दिनों में भारत यात्रा पर आ रहे हैं।
- इस यात्रा का प्रयास भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाना और भारतीय पर्यटकों को अपने देश में फिर से आकर्षित करना है

- किसी उद्देश्य के साथ पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में रोड शो करेंगे।

क्या है मुक्त व्यापार संधि (free trade agreement-FTA)

- मुक्त व्यापार संधि :– इस संधि का प्रयोग दो या दो से अधिक देशो के मध्य व्यापार को आसान बनाने के लिये किया जाता है।
- इसके तहत देशों के मध्य आयात-निर्यात के तहत उत्पादों पर लगने वाले सीमा शुल्क, सब्सिडी, नियामक कानून और कोटा आदि को आसान किया जाता है।
- मुक्त व्यापार संधि जिन दो देशों के बीच की जाती है उनकी उत्पादन लागत अन्य देशों की तुलना में काफी कम हो जाती है।
- यह एक लाभदायक समझौता है जिसे कई फायदे है इन्ही फायदों को देख कर दुनिया के सभी देश आपस में मुक्त व्यापार संधि करके का प्रयास कर रहे हैं।

मुक्त व्यापार संधि के अन्य लाभ :–

1. व्यापार को बढ़ाने में मदद
2. अर्थव्यवस्था को गति
3. वैश्विक व्यापार को बढ़ाने भी मदद

एफटीए और भारत

- फ्री ट्रेड एग्रीमेंट विश्व व्यापार संगठन का एक इनिसियेटिव है।
- विश्व व्यापार संगठन को पहले गेट के रूप में जाना जाता था।
- गेट (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) की स्थापना 1947 में हुई थी तथा भारत इसका एक संस्थापक सदस्य है।
- गेट को परिवर्तित करके 1995 में विश्व व्यापार संगठन के रूप में जाना जाने लगा।
- भारत में हुए आर्थिक उदारीकरण (1991) के बाद से भरता एफटीए को लेकर गंभीर हुआ।

करेंसी स्वैप एग्रीमेंट :–

Result Mitra

- करेंसी स्वैप का शाब्दिक अर्थ होता है "मुद्रा की अदला बदली".
- यह समझौता दो देशों के बीच किया जाता है।
- जिन दो देशों के मध्य यह समझौता होता वह देश अपनी मुद्रा में व्यापार करने को प्राथमिकता देते है
- आयात-निर्यात के लिये यह देश अमेरिकी डॉलर जैसी किसी तीसरी मुद्रा पर निर्भर नहीं होते।

Topic-2

वेनेजुएला राष्ट्रपति चुनाव

- चर्चा में क्यों :– हाल ही में वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव का आयोजन किया गया जिसमें निकोलस मादुरो तीसरी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए है।
- इस चुनाव में 74 वर्षीय एडमुंडो गोंजालेज युरुशिया, मादुरो के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे।
- वेनेजुएला पिछले कुछ समय से चर्चा में बना हुआ है जिसका मुख्य कारण इसमें होने वाली आर्थिक संकट है

- वेनेजुएला काफी समय से आर्थिक संकट से जूझ रहा है जिसके कारण 70 लाख लोग देश छोड़कर अन्य देशों में विस्थापित जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

वेनेजुएला और तेल भंडार :–

- वेनेजुएला तेल संपदा की दृष्टि से सबसे संपन्न देश है
- दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वेनेजुएला में ही हैं
- वेनेजुएला एक समय लैटिन अमेरिका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था हुआ करती थी।
- वेनेजुएला में आर्थिक गिरावट का दौर मादुरो के सत्ता में आने के बाद शुरू हुआ।
- वेनेजुएला की कुछ नीतियों के कारण यूएस ने इस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए जिससे स्थिति और खराब हो गई।

वेनेजुएला में राजनीतिक संकट :–

- राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज़ की मार्च 2013 में मृत्यु के बाद निकोलस मादुरो ने पहली बार सत्ता संभाली।
- अप्रैल 2013 में वेनेजुएला में हुए चुनाव में मादुरो ने विपक्ष को हराकर राष्ट्रपति पद पर कब्ज़ा किया।
- विपक्षी लोकतांत्रिक एकता गठबंधन दिसंबर 2015 में वेनेजुएला की नेशनल असेंबली का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगी
- नेशनल असेंबली का कार्यभार मार्च 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने हाथों में ले लिया।
- जुलाई 2017 में राष्ट्रपति मादुरो पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया गया और वहाँ विधायी निकाय बनाने की मंज़ूरी देने के लिये जनमत संग्रह की बात कही गई।
- मई 2018 में दोबारा राष्ट्रपति चुनाव हुए।
- इन चुनाव में भी मादुरो राष्ट्रपति बने।
- मादुरो का यह दूसरा कार्यकाल 6 साल तक चला।
- मई 2018 के चुनाव को 14 लैटिन अमेरिकी देशों के साथ ही अमेरिका और कनाडा ने मान्यता देने से मना कर दिया।
- जनवरी 2019 में प्रमुख विपक्षी नेता जुआन गाइदो ने खुद को राष्ट्रपति घोषित किया। अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ ने मान्यता दी।

Result Mitra TM

वेनेज़ुएला की आर्थिक बदहाली :–

- वेनेजुएला में वर्तमान में मुद्रास्फिती काफी उच्च है जिस कारण वहां के लोग महँगाई और ज़रूरी चीज़ों के लिए भी संघर्ष कर रहे है।
- अर्थव्यवस्था सबसे निचले पायदान पर है और जबकि बेरोज़गारी, अपराध तथा अराजकता सबसे ऊपर के पायदान पर।
- आर्थिक संकट से उबरने के लिए वेनेज़ुएला सरकार ने
- अगस्त 2018 में अपनी मुद्रा बोलिवर का 96 प्रतिशत तक अवमूल्यन किया।
- वेनेजुएला दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वाला देश है इसके आर्थिक स्थिति 2014 में उसे समय खराब हुई जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में दो तिहाई तक कमी हुई।
- इस कारण वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था गिरने लगी जिससे लोगों की आमदनी में कमी हुई ।
- कच्चे तेल की कीमत गिरने से तेल बिक्री से होने वाली आमदनी भी 40 प्रतिशत तक कम हो गई ।
- वेनेजुएला सरकार ने मुद्रा में परिवर्तन भी किया।
- वेनेजुएला में मुद्रास्फिती काफी अधिक है लोग थैलों में नोट भरकर ज़रूरत का मामूली सामान खरीद पा रहे हैं।

वर्चुअल करेंसी 'पेट्रो'

- वेनेजुएला वर्चुअल करेंसी की शुरुआत करने वाला दुनिया का पहला देश है।
- इस वर्चुअल करेंसी का नाम पेट्रो रख्खा गया
- यह करेंसी फरवरी 2018 चलाई थी।
- 'पेट्रो' दुनिया की पहली सरकारी मान्यता प्राप्त क्रिप्टोकरेंसी है।

Result Mitra